



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 121]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मई 13, 2010/वैशाख 23, 1932

No. 121]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 13, 2010/VAISAKHA 23, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 2010

(निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण., चीनी ताइपेई, ईयू तथा यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कुछेक रबड़ रसायनों (एमओआर, पीएक्स 13 और टीडीक्यू) पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा।

सं. 15/14/2009-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए चीन जन. गण., चीनी ताइपेई, ईयू तथा यूएसए (जिन्हें आगे संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कुछेक रबड़ रसायनों (एमओआर, पीएक्स 13 और टीडीक्यू) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर दिनांक 20 अक्टूबर, 2005 की अधिसूचना सं. 93/2005-सी.शु. के तहत मूल रूप में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. विचाराधीन उत्पाद

मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद रबड़ उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त तीन विशिष्ट रबड़ रसायन थे अर्थात् :

(i) एंटी-डिग्रेडेंट्स; पीएक्स 13 (ii) एक्सिलरेटर्स एमओआर (iii) एंटी ऑक्सीडेंट्स; टीडीक्यू

उत्पादों के विस्तृत रासायनिक नाम निम्नानुसार हैं :—

एमओआर : एन-आक्सीडाइइथिलीन-2-बेंजोथायजॉल सल्फेनामाइड-(2-मॉर्फोऑलिनोथायोबेंजोथायजॉल) (एमबीएस)।

एमओर: मेकैण्टो बेंजोथायजॉल डाइसल्फाइड की प्रतिक्रिया मॉर्फोलिन और सोडियम हाइपोक्लोराइट से कराई जाती है। यह प्रतिक्रिया आइसोप्रोपाइल अल्कोहल की उपस्थिति में कराई जाती है। पैलेट्स बनाने के लिए उत्पाद को फिल्टर, उसकी धुलाई तथा निःस्रावन किया जाता है, पैलेट्स को सुखाया एवं पैक किया जाता है। आइसोप्रोपाइल अल्कोहल पुनः प्राप्त कर उसका पुनः प्रयोग किया जाता है।

पीएक्स 13 : एन-1, 3-डाइमिथाइल 1 ब्यूटाइल -एन फिनाइल पैराफिनाइलेनेडायमाइन (6पीपीडी)। पीएक्स 13 का उत्पादन एक उच्च धातु उत्प्रेरक की उपस्थिति में सामान्य उच्च दबाव पर एक ऑक्टोक्लेव में 4-नाइट्रोडाइफिनाइलामाइन तथा मिथाइल आइसोब्यूटाइल कीटोन के मिश्रण के हाइड्रोजेनेशन द्वारा किया जाता है। प्रतिक्रियास्वरूप प्राप्त परिमाण जिसमें प्रतिक्रिया न करने वाला कीटोन, सह-उत्पाद आदि शामिल होते हैं, को उत्प्रेरक हटाने के लिए फिल्टर किया जाता है जिसका पुनः उपयोग किया जाता है। लो-बॉयलर्स हटाने के लिए फिल्टरेट का आसवन किया जाता है और अंतिम उत्पाद तैयार करने के लिए उसके फ्लेक तैयार किए जाते हैं। गैर-प्रतिक्रियाशील कीटोन प्राप्त करने के लिए लो-बॉयलर्स का पुनः आसवन किया जाता है। उत्प्रेरक का तब तक पुनः उपयोग किया जाता है जब तक उसके कार्यकलाप में कमी न हो। तत्पश्चात् उसे इस प्रक्रिया से हटा दिया जाता है।

टीडीक्यू: पॉलिमराइज्ड 2, 2, 4-ट्राइमिथाइल -1, 2 डाई-हाइड्रोक्विनॉलिन। एक अम्लीय उत्प्रेरक की उपस्थिति में उच्च तापमान पर टीडीक्यू एसीटोन तथा एनिलिन का संघनन किया जाता है। परिणामी परिमाण को अपेक्षित स्तर तक पॉलीमराइज किया जाता है; अतिरिक्त अम्ल को कास्टिक घोल के साथ निष्प्रभावी किया जाता है और पानी से धोया जाता है। तत्पश्चात् लो-बॉयलर्स प्राप्त करने के लिए वैक्यूम के अंतर्गत उच्च तापमान पर सामग्री को स्ट्रिप किया जाता है। तत्पश्चात् उत्पाद को प्लास्टिसाइज कर बैगों में रखा जाता है।

इन रबड़ रसायनों का व्यापक उपयोग प्राकृतिक रबड़, कृत्रिम रबड़ (एसबीआर, ब्यूटाडीन रबड़, नाइट्राइल रबड़, कार्बोक्सीलेटेड रबड़) तथा विभिन्न रबड़ उत्पादों के विनिर्माण हेतु प्रयुक्त कृत्रिम रबड़ आधारित अन्य यौगिकों के उपचार में होता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु के लिए कोई विशिष्ट आईटीसी एचएस वर्गीकरण नहीं है और विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क वर्गीकरण के शीर्ष 38.12.10, 38.12.20 तथा 38.12.30 के विभिन्न उपशीर्षों के साथ-साथ सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम एवं आईटीसी एचएस वर्गीकरण के (छह अंकीय स्तरों पर) 29.34.20 और 29.25.20 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि उत्पादों को ऊपर दिए गए उल्लेखानुसार उनके अपने व्यापारिक नामों और रासायनिक विवरणों से जाना जाता है। अतः, ऊपर दर्शाए गए सीमाशुल्क एवं आईटीसी एचएस वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जाँच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

3. जाँच की शुरुआत

इण्डियन मेटल एण्ड फेरो एलॉयज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी रिट याचिका (सिविल) सं. 2006 की 16893 के मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार प्राधिकारी एतद्वारा प्रवृत्त शुल्क को सतत रूप से लगाए जाने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की जाँच करने के लिए कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, निर्णायक समीक्षा जाँच शुरू करते हैं।

4. शामिल देश/क्षेत्र

इस जांच में शामिल देश/क्षेत्र निम्नानुसार हैं :-

- पीएक्स -13 - चीनी ताइपेई, यूरोपीय संघ
- एमओआर - चीन जन.गण., यूरोपीय संघ, यूएसए
- टीडीक्यू - यूरोपीय संघ, चीनी ताइपेई

5. जांच की अवधि

वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि दिनांक 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 (12 माह) है। तथापि क्षति विश्लेषण में वर्ष 2006-07, 2007-08, 2008-09 एवं जांच अवधि शामिल हैं। पाटन एवं क्षति की संभावना का निर्धारण करने के लिए जांच अवधि के बाद के आंकड़ों की भी जांच की जा सकती है।

6. प्रक्रिया

16 अगस्त, 2005 की अधिसूचना सं. 14/13/2004-डीजीएडी के तहत जारी अंतिम जांच परिणाम तथा 20 अक्टूबर, 2005 की सी.शु. अधिसूचना सं. 94/2005 के तहत लागू अंतिम शुल्क की समीक्षा करने का निर्णय लेने के बाद प्राधिकारी एतद्वारा अधिनियम एवं पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्रवृत्त शुल्क को सतत रूप से लागू रखने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की जाँच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से संबद्ध देश/क्षेत्र के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, जांच शुरू करते हैं। इस समीक्षा में 16 अगस्त, 2005 की अधिसूचना सं. 14/13/2004-डीजीएडी (मूल जाँच का अंतिम जाँच परिणाम) के सभी पहलू शामिल हैं।

7. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देशों/क्षेत्र के निर्यातकों, भारत में दूतावास/प्रतिनिधिक कार्यालय के जरिए संबद्ध देश/क्षेत्र की सरकारों, भारत में इस उत्पाद से संबंधित समझे जाने वाले आयातकों तथा प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रारूप में तथा तरीके से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अवगत कराने हेतु अलग से पत्र भेजे जा रहे हैं :-

भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य विभाग
कमरा नं. 243, उद्योग भवन
नई दिल्ली-110107

अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी निर्धारित प्रारूप में तथा तरीके से इस जांच से संगत अपने अनुरोध नीचे निर्धारित अवधि के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

8. समय सीमा

वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई भी सूचना तथा सुनवाई संबंधी अनुरोध लिखित में भिजवाया जाए, जो निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख चालीस (40) दिनों के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राप्त हो जाना चाहिए। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती अथवा प्राप्त सूचना अधूरी है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में, रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

पाटनरोधी उपायों को जारी रखने की आवश्यकता को सिद्ध करने के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों को एक प्रश्नावली जारी की जा रही है जिसका उत्तर 40 दिन के भीतर भेजा जाना अपेक्षित है।

सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा इस जाँच की शुरुआत की तारीख से 40 दिन के भीतर इस मामले के संबंध में जानकारी देने (जानकारी के स्वरूप सहित) की सलाह दी जाती है। ऐसी जानकारी देने वाले हितबद्ध पक्षकारों से पाटनरोधी उपायों को जारी रखने अथवा अन्यथा के संबंध में भेजे गए पत्र के जारी होने की तारीख से 40 दिन के भीतर घरेलू उत्पादकों के उत्तर के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ देने का अनुरोध किया जाएगा।

9. अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7(1) के अनुसार प्रदत्त गोपनीय सूचना के लिए नियम 7(2) के अनुसार गोपनीय तथा अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराएंगे। अगोपनीय रूपांतरण या गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए जिससे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को सूचना के बारे में सार्थक जानकारी उपलब्ध हो सके। यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश व्यवहार्य नहीं है तो उसके कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराना अपेक्षित है।

उपर्युक्त पैरा में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने अथवा उसका सामान्यीकृत रूप में या सारांश रूप में प्रकटन करने हेतु प्राधिकृत करने के लिए अनिच्छुक है तो ऐसी सूचना की अनदेखी की जा सकती है।

10. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण :

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

11. असहयोग

यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने से मना करता है अथवा अन्यथा उचित अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं करता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो प्राधिकारी अपने पास

उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं, जिन्हें वे उपयुक्त समझते हों।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 12th May, 2010

(Sunset Review)

Subject : Sunset Review of anti-dumping duty imposed against Certain Rubber Chemicals (MOR, PX13 and TDQ) originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, EU and USA.

No. 15/14/2009-DGAD.— Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (herein after referred to as the AD Rules), the definitive anti-dumping duty was originally imposed vide notification No. 94/2005-Customs dated 20th October, 2005 on import of Certain Rubber Chemicals (MOR, PX13 and TDQ) (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, European Union & USA (hereinafter referred to as the subject countries/territory).

2. Product under consideration

The products under consideration in the original case were three specific rubber chemicals used in manufacture of rubber products, namely: i) Anti-Degradants: PX 13 ii) Accelerators: MOR iii) Antioxidant: TDQ

Detailed chemical names of the products are as follows:-

MOR: N-oxydiethylene-2-benzothiazolesulphenamide (2-morphoolinothiobenothiazole) (MBS). MOR Mercapto benzothiazole disulphide is reacted with morpholine and sodium hypochlorite. The reaction is carried out in presence of isopropyl alcohol. The product is filtered, washed and extruded to form pallets, which are dried and packed. The isopropyl alcohol is recovered and recycled.

PX 13: N-1, 3-dimethyl butyl-N'Phenyl paraphenylenediamine (6 PPD). PX-13 Px- 13 is produced by hydrogenation of a mixture of 4-nitrodiphenylamine and methyl isobutyl ketone in an autoclave at moderately high pressure in presence of a noble metal catalyst. The resulting reaction mass, which contains unreacted ketone, by-products, etc., is filtered to remove the catalyst, which is then recycled. The filtrate is distilled to remove low boilers and is then flaked to give the finished product. The low boilers are redistilled to recover the unreacted ketone. Catalyst is recycled until the activity is reduced. It is then removed from the system.

TDQ: Polymerized 2,2, 4-Trimethyl-1, 2 di-hydroquinoline. TDQ Acetone and aniline are condensed at high temperature in presence of an acid catalyst. The resultant mass is then

1808 60/10-2

polymerised to the required degree; the excess acid is neutralized with caustic solution and washed with water. The material is then stripped at high temperature under vacuum to recover low boilers. The product is then pastilized and bagged.

These rubber chemicals are extensively used in treating natural rubber, synthetic rubber (SBR, Butadiene Rubber, Nitrile Rubber, Carboxylated Rubber) and other synthetic rubber based compounds used for manufacture of various rubber products

The Authority notes that there is no dedicated ITC HS Classification for the subject goods and products under consideration are classified under various subheadings of Customs classification heads 38.12.10, 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. However, the Authority notes that the products are known by their respective trade names and the chemical descriptions as indicated above, Therefore, the Customs and ITC HS classifications shown above are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

3. Initiation:

In view of the order of the Hon'ble Delhi High court in the matter of *Indian Metal and Ferro Alloys Ltd V/s Designated Authority*, Writ Petition (Civil) No. 16893 of 2006 and in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of the AD Rules, the Authority hereby initiates a sunset review investigation to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods and to examine whether the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

4. Countries/territory involved:

The countries/territory involved in this investigation are as follows:

- PX-13 - Chinese Taipei, European Union .
- MOR – China PR, European Union, USA
- TDQ - European Union, Chinese Taipei

5. Period of Investigation:

The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is 1st April 2009 to 31st March 2010 (12 months). However, injury analysis shall cover the years 2006-07, 2007-08, 2008-09 & POI. The data beyond POI may also be examined to determine likelihood of dumping and injury.

6. Procedure:

Having decided to review the final findings issued vide Notification No. No.14/13/2004 DGAD dated 16th August 2005 and final duty imposed vide Customs Notification No. 94/2005-Customs dated 20th October, 2005, the Authority hereby initiates investigations to review the need for continued imposition of the duties in force and to examine whether cessation of Anti Dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of Dumping and injury on imports of the subject goods originating in or exported from subject countries/territory in accordance with the Act and the AD Rules. The review covers all aspects of Notification No. 14/13/2004 DGAD dated 16th August 2005 (final findings of the original investigation).

7. Submission of Information:

The exporters in subject countries/territory, the governments of subject country/territory through its embassies / Representative office in India, the importers and users in India known to be concerned with the product and the domestic industry, are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**Government of India
Ministry of Commerce and Industry
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Department of Commerce
Room No.243, Udyog Bhawan,
New Delhi-110107.**

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

8. Time Limit:

Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the AD Rules.

The domestic producers of the subject goods are being issued a questionnaire to respond within 40 days substantiating the need for continued imposition of the AD measures.

All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter within 40 days from the date of initiation of this investigation. All such interested parties, that intimate so, would be requested to offer their comments to the domestic producers' response(s) within 40 days from the date of issuance of the letter to them regarding the need to continue or otherwise the AD measures.

9. Submission of information on Non-confidential basis:

All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the AD Rules. The non-confidential version or non-confidential summary of the confidential information should be in sufficient detail to provide a meaningful understanding of the information to the other interested parties. If in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summary; a statement of reasons thereof is required to be provided.

Notwithstanding anything contained in para above, if the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalised or summary form, it may disregard such information.

10. Inspection of public file:

In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

11. Non-cooperation

In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority